GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COAL
LOK SABHA
UNSTARRED QUESTION NO. 134
TO BE ANSWERED ON 02.02.2022

Import of Coal

134. SHRI A. RAJA:

Will the Minister of Coal be pleased to state:

(a) whether there is any shortage of coal in the country;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether the Government is going to import coal from abroad to meet the domestic demand; and

(d) if so, the names of the countries and companies from where the coal is being imported to meet the domestic demand?

ANSWER

MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, COAL AND MINES

(SHRI PRALHAD JOSHI)

(a) & (b): There is no shortage of coal in the country. Due to increased demand of power, less power generation by imported coal based power plants and some interruption in supply of coal due to heavy rains, the coal stock at the power plants depleted to 7.2 Million Tonnes (MT) as on 8th October, 2021. Subsequently with increased coal supplies, the coal stock has started increasing and has now reached 24.16 MT as on 26.01.2022 with respect to the plants based on domestic coal.

CIL has provided more coal during the current fiscal (up to 26th January'22) in comparison to last year same period. During April-January'22 (upto 26th January'22), CIL has dispatched coal to the tune of 532.41 Million tonnes in comparison to last year same period figures of 453.98 Million tonnes achieving a growth of about 17%.

(c) & (d): As per the current import policy, coal is kept under Open General License (OGL) and consumers are free to import coal from the source of their choice as per their contractual prices on payment of applicable duty. In view of limited domestic production of coking coal, coking coal will continue to be imported for use by the steel sector. Thermal power based on domestic coal may use imported coal up to 10% for blending with domestic coal, where technically feasible, to meet the increased power demand in the country.

*****

भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 134

जिसका उत्तर 02 फरवरी, 2022 को दिया जाना है

कोयले का आयात

134. श्री ए. राजा:

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में कोयले की कोई कमी है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार घरेलू मांग को पूरा करने के लिए विदेशों से कोयला आयात करने जा रही है; और
(घ) यदि हां, तो उन देशों और कंपनियों के नाम क्या हैं, जहां से घरेलू मांग को पूरा करने के लिए कोयले का आयात किया जा रहा है?

उत्तर

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) और (ख) : देश में कोयले की कोई कमी नहीं है। विद्युत की मांग बढ़ने, आयातित कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों द्वारा कम विद्युत उत्पादन होने और भारी वर्षा के कारण कोयले की आपूर्ति में कुछ व्यवधान के कारण 8 अक्तूबर, 2021 की स्थिति के अनुसार विद्युत संयंत्रों में कोयले का भंडार घटकर 7.2 मिलियन टन (मि.ट.) हो गया था। तत्पश्चात कोयले की आपूर्ति में वृद्धि होने से कोयले के भंडार में वृद्धि होना शुरू हो गया है तथा घरेलू कोयले पर आधारित संयंत्रों के संदर्भ में अब यह दिनांक 26.01.2022 की स्थिति के अनुसार 24.16 मि.ट. पहुंच गया है।

सीआईएल ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में चालू वित्त वर्ष (26 जनवरी' 22 तक) के दौरान अधिक कोयला उपलब्ध कराया है। सीआईएल ने पिछले वर्ष की इसी अवधि के 453.98 मिलियन टन के आंकड़ों की तुलना में अप्रैल-जनवरी' 22 (26 जनवरी' 22 तक) के दौरान, लगभग 17% की वृद्धि प्राप्त करते हुए 532.41 मिलियन टन कोयले का प्रेषण किया है।

(ग) और (घ) : वर्तमान आयात नीति के अनुसार, कोयले को ओपन जनरल लाइसेंस (ओजीएल) के तहत रखा गया है और उपभोक्ता लागू ड्यूटी के भुगतान पर अपने संविदा मूल्यों के अनुसार अपनी पसंद के स्रोत से कोयला आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं। कोकिंग कोयला के सीमित घरेलू उत्पादन को देखते हुए, इस्पात क्षेत्र द्वारा उपयोग हेतु कोकिंग कोयले के आयात को जारी रखा जाएगा। देश में विद्युत की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने हेतु घरेलू कोयले पर आधारित ताप विद्युत में घरेलू कोयले के साथ ब्लेंडिंग के लिए, जहां तकनीकी रूप से व्यवहार्य हो, 10% तक आयातित कोयले का उपयोग किया जा सकता है।

*****